# सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योगों के लिए वैश्विक एजेंडा

## 11 महत्वपूर्ण कार्य

दिसंबर 2021

**रचनात्मक उद्योग**
नीति एवं साक्ष्य केंद्र
**नेस्टा** के नेतृत्व में

इनकी साझेदारी में
BRITISH COUNCIL

## पीईसी और अंतर्राष्ट्रीय परिषद के संबंध में

रचनात्मक उद्योग नीति एवं साक्ष्य केंद्र (पीईसी), स्वतंत्र साक्ष्य एवं नीति संबंधी सलाह के माध्यम से यूके के रचनात्मक उद्योगों की वृद्धि को सहारा देने का कार्य करता है। नेस्टा के नेतृत्व में और यूके सरकार की औद्योगिक रणनीति के एक हिस्से के रूप में कला एवं मानवता अनुसंधान परिषद द्वारा वित्तपोषित, पीईसी में यूके (बर्मिंघम, कार्डिफ़, एडिनबर्ग, ग्लासगो, लंकास्टर विश्वविद्यालय का वर्क फाउंडेशन, एलएसई, मैंचेस्टर, नयूकैसल, ससेक्स और उल्सटर) के अनेक विश्वविद्यालय शामिल हैं। क्रिएटिव यूके सहित तरह-तरह के उद्योग साझेदारों के साथ पीईसी काम करता है।

ब्रिटिश काउंसिल द्वारा संयोजित, पीईसी का अंतर्राष्ट्रीय परिषद, दुनिया भर के अग्रणी नीति और रचनात्मक अर्थव्यवस्था अभ्यासकर्ताओं का नेटवर्क है। अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योगों की नीति बुद्धिमत्ता और अनुसंधान के अवसर साझा करता यह समूह, पीईसी के क्रियाकलापों पर समीक्षा करते हुए अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण प्रदान करने में समीक्षा करने वाले मित्र की भूमिका निभाता है।

**www.pec.ac.uk**

## ब्रिटिश काउंसिल के संबंध में

कला एवं साहित्य, शिक्षा और अंग्रेजी भाषा के जरिए ब्रिटिश काउंसिल, यूके और अन्य देश के लोगों में आपसी संबंध, समझ और भरोसा कायम करती है।

हम दो तरह से काम करते हैं - सीधे लोगों के साथ उनका जीवन रूपांतरित करने और सरकारों एवं साझेदारों के साथ बड़ा अंतर लाने के लिए जो काफी समय तक टिका रह सके जिसके लिए हम दुनिया भर के लाखों लोगों को फायदा पहुंचाने के प्रयास करते हैं।

नौजवानों को अपनी क्षमता बढ़ाने और सशक्त और समावेशी समुदायों में भाग लेने के लिए आवश्यक कौशलों, आत्मविश्वास और संबंध बनाए रखने में हम मदद करते हैं। हम अंग्रेजी सीखने, उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ग्रहण करने और अंतर्राष्ट्रीय रूप में मान्य शैक्षिक योग्यता पाने में उनकी मदद करते हैं। कला एवं साहित्य में हमारे काम से रचनात्मक अभिव्यक्ति और आदान-प्रदान में तेजी और रचनात्मक उद्यम पोषित होता है।

**www.britishcouncil.org**

यह प्रकाशन इस रूप में उद्धृत किया जाना चाहिए: रचनात्मक उद्योग नीति एवं साक्ष्य केंद्र अंतर्राष्ट्रीय परिषद (2021), 'सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योगों की वैश्विक एजेंडा', लंदन: ब्रिटिश काउंसिल और रचनात्मक उद्योग नीति एवं साक्ष्य केंद्र।

**रचनात्मक उद्योग**
नीति एवं साक्ष्य केंद्र
**नेस्टा** के नेतृत्व में

इनकी साझेदारी में
BRITISH COUNCIL

# प्रस्तावना

कोविड-19 महामारी ने हमें दिखाया है कि बुरे से बुरे समय में भी मानव भावना और रचनात्मकता उभरकर कैसे सामने आती है। जब दुनिया सार्वजनिक स्वास्थ्य, आर्थिक और जलवायु संकट से उबरने के प्रयास में है, हमें अपने जीवन में जीवनयापन के तौर-तरीकों का आकलन और उसे पुनःनिर्धारित, स्थिरता और सामुदायिक कल्याण के साथ-साथ आर्थिक वृद्धि प्रोत्साहित करने वाली नीतियों पर विचार करने का फिर से मौका मिला है।

यह सतत विकास के लक्ष्यों में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की रचनात्मक अर्थव्यवस्था के योगदान का वर्ष भी रहा है और इसने ग्रह, अर्थव्यवस्था और समाज ठीक करने की इस महामारी के बाद की प्रक्रिया में समाधान के महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में रचनात्मक अर्थव्यवस्था की क्षमता उजागर की है।

समय की चुनौतियों का समाधान करने में मदद के लिए रचनात्मक क्षेत्र की क्षमता अनुकूलित करने के संदर्भ में रचनात्मक उद्योग नीति एवं साक्ष्य केंद्र (पीईसी) की अंतर्राष्ट्रीय परिषद ने ये ग्यारह कार्य बिंदु पेश किए हैं। ऐसा पहली बार हुआ कि ऐसा अंतर्राष्ट्रीय समूह एकजुट है - दुनिया भर के उद्यमी, निवेशक, नीति निर्माता और शिक्षाविद - और तत्काल भविष्य हेतु एजेंडा निर्धारित करने के लिए हमारे रचनात्मक अर्थव्यवस्था के विविध अनुभव एकत्रित करने की कोशिश की गई है। इस बात पर प्रकाश डालना हमें खासतौर पर ज़रूरी लगता है कि यह एजेंडा सही मायने में वैश्विक है, यह स्वीकार करते हुए कि कुछ सबसे शक्तिशाली और गतिशील विचार और सांस्कृतिक और रचनात्मक क्षेत्रों में सबसे तेज़ विकास ग्लोबल साउथ में पाए जाते हैं, जिनमें तनावग्रस्त और कम संसाधन सम्पन्न शहरी क्षेत्रों में अनौपचारिक कामगार भी शामिल हैं।

जबकि अब यह बात काफी हद तक मान ली गई है कि रचनात्मक अर्थव्यवस्था, वैश्विक खुशहाली में योगदान करती है, सांस्कृतिक विशिष्टता का उपभोग करती है, और सामाजिक एकजुटता लाने में मदद करती है, लेकिन फिर भी नीति कारवाई की दृष्टि से इसे अभी भी पराया माना जाता है। इन ग्यारह कार्य बिंदुओं में से अधिकांश कार्य बिन्दु, पहले से ही दुनिया के कई हिस्सों में, हालांकि खास तौर पर कल्पनात्मक और प्रेरणादायक स्थानीय और नगरपालिका नेताओं में, अपना महत्व सिद्ध कर रहे हैं, लेकिन वे काफी हद तक अक्सर एक हद तक ही रहते हैं। हमारा यह संदेश है कि यदि हमें दुनिया के लोगों की ज़रूरत अनुसार तत्काल अभिविन्यास प्राप्त करना है तो ये विचार, स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सार्वजनिक नीति की मुख्यधारा से संबंधित हैं।

वहनीय का हम समर्थन **करते हैं विकास के लक्ष्य**

# 1. रचनात्मक शिक्षा और कौशल विकास

स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सरकारों से शिक्षा और प्रशिक्षण के सभी स्तरों पर व्यक्तियों में रचनात्मकता विकसित करने में पीईसी परिषद कला और संस्कृति की भूमिका पहचानने का आह्वान करती है। इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि भविष्य के कार्यबल में व्यवधानों का प्रबंधन करने में आवश्यक रचनात्मकता और कौशल हैं और आभासी वास्तविकता, पर्यावरण के प्रति जागरूक डिजाइन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में उभरते अवसरों का लाभ उठाएं। इसे प्राप्त करने का अर्थ होगा शिक्षा और प्रशिक्षण के हर पहलू में विज्ञान और प्रौद्योगिकी में कौशल के साथ-साथ कला और संस्कृति को एकीकृत करना।

**यह कार्य, सतत विकास लक्ष्यों से संबंधित है:**

# 2. रचनात्मक उद्यमिता और नवाचार

परिषद, सीसीआई में डिजिटल प्रौद्योगिकियों के उपयोग के माध्यम से उभरते अभिनव व्यवसाय मॉडलों के महत्व के अलावा उनके सामने आने वाली विशिष्ट चुनौतियों को भी मान्यता देने का नीति निर्माताओं से आह्वान करती है, जिसमें वित्तपोषण की आवश्यकता भी शामिल है जो रचनात्मक बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) और व्यावसायिक समर्थन को उच्च मूल्य प्रदान करता है जिससे छोटे रचनात्मक व्यवसायों को डिजिटल क्रांति का भरपूर फायदा उठाने में मदद मिलती है।

सीसीआई में स्व-रोजगार की उच्च और बढ़ती दरें देखते हुए, कौशल प्रणालियों में उद्यमिता में प्रशिक्षण देने को भी अधिक प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

**यह कार्य, सतत विकास लक्ष्यों से संबंधित है:**

# 3. रचनात्मक करियर, फ्रीलांसर, और अनौपचारिक आजीविका

परिषद, इस क्षेत्र में स्व-रोजगार, आकस्मिक और अनुबंध कार्य और अनौपचारिक कार्य की व्यापकता पहचानते हुए ऐसी नीतियों का आह्वान करती है जो सीसीआई के कामगारों के लिए अच्छी कामकाजी परिस्थितियों और सामाजिक सुरक्षा का समर्थन करती हों। नीतियों में इन व्यक्तियों के लिए निष्पक्ष और समावेशी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने हेतु अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों और राष्ट्रीय सरकारों से हम बेहतर श्रम बाजार डेटा एकत्र करने का आह्वान करते हैं।

विशेष रूप से, हम कई शहरों में, खास तौर पर ग्लोबल साउथ में, अनौपचारिक अर्थव्यवस्था की भूमिका को मान्यता प्रदान करने की मांग करते हैं। सीमित संसाधनों, अनियमित श्रम, और अक्सर अपंजीकृत उद्यमों में काम करते हुए, अनौपचारिक रचनात्मकता को न तो सीमांत अस्तित्व की रणनीति के रूप में खारिज और न ही सामुदायिक उत्तर के रूप में रूमानी बनाया जाना चाहिए जो राज्य को अपनी उचित जिम्मेदारियों से मुक्त करता है।

**यह कार्य, सतत विकास लक्ष्यों से संबंधित है:**

# 4. सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योगों में अनुसंधान और विकास

परिषद सुझाव देती है कि दुनिया भर में नीति निर्माताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) की 'फ्रैस्कटी' परिभाषा संशोधित की जाए, जिससे नवाचार में निवेश को उचित रूप से प्रोत्साहित करने वाली नीतियों में ज्ञान क्षेत्रों की सम्पूर्ण शृंखला का समावेश हो जिसमें कला, मानवता और समाज शास्त्र भी शामिल हो, न कि सिर्फ विज्ञान और प्रौद्योगिकी। विभिन्न क्षेत्रों में आर एंड डी को मान्यता प्रदान करने के लिए आधिकारिक आर एंड डी सर्वेक्षण सहित आर एंड डी मापन प्रणालियां अवश्य अपग्रेड की जानी चाहिए।

दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक और सामाजिक समस्याओं का मुकाबला करने के लिए बहु और अंतःविषय अनुसंधान एवं विकास - सीसीआई में नवाचार की पहचान - की भी आवश्यकता है।

अधिक व्यापक तौर पर, परिषद का मानना है कि सीसीआई के लिए अधिक प्रभावशाली ढंग से आर एंड डी वित्तपोषण के अवसरों को बढ़ावा दिया जाए और क्षेत्रों (जैसे, विनिर्माण और डिजाइन) के बीच में पारस्परिक रूप से लाभदायक संबंधों का पता लगाया जाए।

**यह कार्य, सतत विकास लक्ष्यों से संबंधित है:**

# 5. सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योग और डिजिटल अर्थव्यवस्था

परिषद, अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय नीति निर्माताओं से डेटा और गोपनीयता, इंटरनेट प्लेटफॉर्म विनियमन और बौद्धिक संपदा के निर्माण और संरक्षण संबंधी समस्याओं से निपटने के अभिप्राय से नए नियामक ढांचों और बुनियादी ढांचों को आकार देने की प्रक्रिया में सीसीआई को शामिल करने का आह्वान करती है।

हम डिजिटल कौशलों में और सुदृढ़ डिजिटल अवसंरचना में हम अधिकाधिक निवेश का भी आह्वान करते हैं जो समान रूप से भौगोलिक स्थानों में उपलब् हैं और मानते हैं कि यह कम से कम सीसीआई के लिए नए भावनों और अन्य भौतिक बुनियादी ढांचों के समान महत्वपूर्ण होता जा रहा है।

**यह कार्य, सतत विकास लक्ष्यों से संबंधित है:**

# 6. सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योग और पर्यावरणीय स्थिरता

नीति निर्माताओं से परिषद का आह्वान है कि वे संसाधनों और भौतिक पर्यावरण पर अपेक्षाकृत कम प्रभाव से परिपत्र अर्थव्यवस्था और आर्थिक विकास में सीसीआई का योगदान पहचानें, साथ ही उनके द्वारा किए गए प्रभाव कम करने के लिए की गई कार्रवाई की आवश्यकता स्वीकारें। नवाचार की अगुवाई में फैशन डिजाइन सहित डिजाइन जैसे क्षेत्रों में यह सच है, लेकिन वर्तमान में प्रमुख प्रदूषक भी हैं। यह कला और मनोरंजन गतिविधियों के लिए भी काफी हद तक सच है। यदि रचनात्मक व्यवसायों और जैव विविधता, स्थानीय खाद्य पदार्थ, प्रमाणित करने योग्य नैतिक फैशन और पर्यावरण अनुकूल पर्यटन जैसे क्षेत्रों के बीच पार-क्षेत्रीय रुझानों का वे भरपूर लाभ उठाना चाहते हैं तो नीति निर्माताओं को अपनी जलवायु पहलों में रचनात्मक अभ्यासकर्ताओं को शामिल करना चाहिए।

**यह कार्य, सतत विकास लक्ष्यों से संबंधित है:**

# 7. रचनात्मक शहर और क्षेत्रीय समूह

राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सरकारों को सिर्फ बड़े शहरों में सीसीआई में निवेश करने का ही नहीं बल्कि छोटे, स्थानीय समूहों में निहित अनेक अवसरों पर भी विचार करने का भी परिषद आह्वान करती है। मौजूदा साक्ष्य इसे प्रमाणित करते हैं कि ये जमीनी स्तर पर विकास के अभिनव इंजन बनने और वैश्विक स्तर पर सीसीआई में विशिष्ट बाजारों की सेवा करने की क्षमता रखते हैं, जबकि आर्थिक लचीलापन और क्षेत्र के मूल निवासी हाइपरलोकल समुदायों से संबंधित होने की भावना लाते हैं।

इन सूक्ष्म-समूहों को बेहतर ढंग से समझने के लिए, हमारा कहना है कि नीति निर्माताओं को सीसीआई का मानचित्रण करने के प्रयासों में आधारभूत और सामुदायिक पहलों को शामिल करना चाहिए, उदाहरण के लिए, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय रचनात्मक शहरों की सूची में।

**यह कार्य, सतत विकास लक्ष्यों से संबंधित है:**

# 8. सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योगों में वैकल्पिक वित्तपोषण

परिषद वैश्विक नीति निर्माताओं से विकास और समानता को आगे बढ़ाने और रचनात्मक समुदायों के बीच नए प्रकार के सांस्कृतिक उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाओं, कौशल, बाजारों और प्लेटफार्मों में निजी क्षेत्र के निवेश प्रोत्साहित करने के लिए प्रोत्साहन और गारंटी विकसित करने हेतु ट्रस्टों और नींव के साथ काम करने का आह्वान करती है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिलकर काम करने, वैकल्पिक वित्तपोषण के लिए अधिक कल्पनात्मक ढांचों का सृजन और वैश्विक रचनात्मक अर्थव्यवस्था में निवेश करने वाले निवेशकों पर अधिक प्रभाव डालने के लिए प्रोत्साहित करने वाली परिस्थितियों का निर्माण करना संभव होगा।

**यह कार्य, सतत विकास लक्ष्यों से संबंधित है:**

# 9. सामाजिक समानता, सांस्कृतिक विविधता और सांस्कृतिक एवं रचनात्मक उद्योगों में समावेश

सांस्कृतिक और रचनात्मक कार्य प्रथाओं, भाषाओं, पारंपरिक ज्ञान, कला एवं कलाकृतियों और विरासती स्थलों और पाठ्यांशों को सुरक्षित रखने के लिए परिषद, अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों और राष्ट्रीय नीति निर्माताओं द्वारा किए जाने वाले निरंतर और बढ़ते प्रयासों का समर्थन करती है।

इसके अलावा, हम सहभाजित दर्शकों, सामूहिक अर्थ निर्माण और अधिक समावेशी, करुणामय समाज के माध्यम से सहानुभूति का निर्माण करने में समुदायों की मदद करते हुए, डिजिटल प्रौद्योगिकियों के माध्यम से मिलने वाले पार-सांस्कृतिक अनुभवों को वैश्विक रूप से बढ़ावा देने की सलाह देते हैं।

**यह कार्य, सतत विकास लक्ष्यों से संबंधित है:**

# 10. डेटा एकत्र और साझा करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानक

परिषद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तुलनीय साक्ष्य आधार के विकास को बढ़ावा देने के लिए सीसीआई और रचनात्मक व्यवसायों को वर्गीकृत करने के लिए वैश्विक मानकों के विकास का आह्वान करती है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय मानक औद्योगिक वर्गीकरण (एसआईसी) और मानक व्यावसायिक वर्गीकरण (एसओसी) कोड में संशोधन सुनिश्चित करने का समन्वित प्रयास शामिल होना चाहिए, जो सीसीआई की बदलती प्रकृति दर्शाता हो।

हम अब तक किए गए अंतर्राष्ट्रीय मापन मानकों की समीक्षा करने का भी सुझाव देते हैं क्योंकि वे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सीसीआई डेटा बेहतर ढंग से संग्रह करने में मदद करने के लिए सीसीआई से संबंधित होते हैं। हालांकि हम राष्ट्रीय आवश्यकताओं और प्रणालियों के बीच के अंतर को मान्यता देते हैं, लेकिन फिर भी दुनिया भर में, जैसे डिजिटल सेवाओं के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और स्ट्रीमिंग के क्षेत्र में, अभी भी महत्वपूर्ण सुधार करना बाकी है।

**यह कार्य, सतत विकास लक्ष्यों से संबंधित है:**

# 11. सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योग सुशासन के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

परिषद, दुनिया भर में सीसीआई का विकास करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए वैश्विक मानकों की स्थापना करने का आह्वान करती है। आईपीआर कानून, इंटरनेट विनियम, कराधान और संबंधित नीतियों को उद्योग और सरकार के लिए सुसंगत, समावेशी, निष्पक्ष और पारस्परिक रूप से लाभकारी होने हेतु पुन: कैलिब्रेट करने की जरूरत है।

**यह कार्य, सतत विकास लक्ष्यों से संबंधित है:**

# निष्कर्ष

वैश्विक सांस्कृतिक एवं रचनात्मक उद्योगों (सीसीआई) की जरूरतों पर दो वर्ष की लंबी बातचीत के आधार पर प्राप्त, पीईसी अंतर्राष्ट्रीय परिषद के ग्यारह कार्यों के लिए, नीति के अनेक स्थापित क्षेत्रों के बारे में, विशेष तौर पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फिर से सोचने की ज़रूरत है। इनमें, अनुसंधान और विकास के वित्तपोषण की परिभाषा की हम व्याख्या कैसे करते हैं, से लेकर, स्वरोजगार करने वाले लोगों और अनौपचारिक अर्थव्यवस्था के बारे में हम डेटा संग्रह करने की प्रक्रिया को कैसे प्राथमिकता देते हैं, से लेकर, सामाजिक प्रभाव वित्तपोषण पहलों पर फोकस करने की प्रक्रिया तक शामिल है। हालाँकि, यह एजेंडा, बातचीत का अंत नहीं: अब अंतर्राष्ट्रीय नीति नेतृत्वकर्ताओं को अपने सिद्धांतों को मुख्यधारा में ले जाने की ज़रूरत है। अन्यथा, हमारे द्वारा न सिर्फ दुनिया भर में रचनात्मक समुदायों से हाथ धोने का खतरा है, बल्कि धन पुनर्वितरण से जलवायु परिवर्तन तक, हमारे समय की अधिकांश महत्वपूर्ण वैश्विक समस्याओं से निपटने का व्यापक अवसर भी हमारे हाथ से निकल जाएगा। दुनिया भर के नीति निर्माताओं से हमाराआह्वान है कि वे संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2021 को 'सतत विकास के लिए रचनात्मक अर्थव्यवस्था का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष' के रूप में नामित करने से उत्पन्न गति का फायदा उठाएं। महामारी के अनुभव ने दुनिया भर में दर्शकों और चिकित्सकों के लिए सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योगों के मूल्य को सुदृढ़ किया है। साहसिक कदम उठाकर, सरकारें अपने समुदायों, अर्थव्यवस्था और अपने अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी के लाभ के लिए रचनात्मकता की ताकत और ज्यादा बढ़ा सकती हैं। अब कदम उठाने का समय आ गया है।

# हस्ताक्षरकर्ता

## पीईसी अंतर्राष्ट्रीय परिषद के सदस्य

### एवरील जोफ

एवरील आर्थिक समाज शास्त्री हैं जो शहरी जीवन में संस्कृति, संस्कृति और सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था, अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक सहयोग में निष्पक्षता और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों (आईएलओ, यूनेस्को, यूएनसीटीएडी), अफ्रीकी निकायों (अफ्रीकन यूनियन) और अफ्रीकी सरकारों के साथ काम करने वाले सांस्कृतिक अभ्यासकर्ताओं के अधिकारों और स्थिति जैसे क्षेत्रों में शिक्षा और अभ्यास के क्षेत्रों में काम कर रही हैं। एवरील, विट्स स्कूल ऑफ आर्ट्स में सांस्कृतिक नीति एवं प्रबंधन विभाग की परास्नातक समन्वयक हैं। वह यूनेस्को के सांस्कृतिक नीति एवं सुशासन के लिए विशेषज्ञों के पैनल और अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक संबंध अनुसंधान गठबंधन (आईसीआरआरए) की सक्रिय सदस्या हैं।

*देश: दक्षिण अफ़्रीका और उपसहारा अफ़्रीका*

### बर्न्ड फेसेल

बर्न्ड फेसेल ने 1997 में यूरोपियन गैलरी एसोसिएशन के प्रबंध निदेशक के रूप में कला बाजार में अपने करियर की शुरूआत की। उन्होंने जर्मन कला परिषद के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। वर्ष 2003 में उन्होंने बर्लिन में रचनात्मक उद्योगों पर प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन का आरंभ किया और 2007 में वे रचनात्मक उद्योगों के लिए जर्मन राष्ट्रीय पहल के संस्थापक सदस्य थे; उसके बाद उन्होंने यूरोपियन कैपिटल ऑफ कल्चर आरयूएचआर 2010 में फ्रिट्ज़ प्लेटजेन और प्रोफेसर डायटर गोरनी के उप निदेशक के रूप में काम किया, उसके बाद उन्होंने डोर्टमंड में रचनात्मक अर्थव्यवस्था के लिए यूरोपीय केंद्र में वरिष्ठ सलाहकार के रूप में काम किया। उसके बाद वर्ष 2016 से वे रोटरडम में यूरोपियन क्रिएटिव बिजनेस नेटवर्क के निदेशक और पूरे यूरोप के सांस्कृतिक रचनात्मक क्षेत्रों में 8 मिलियन हितधारकों के हितों को बढ़ावा देते रहे हैं। वर्ष 2020 में बर्न्ड फेसेल को प्रोग्राम कमिटी ऑफ होराइज़न यूरोप में एक्सपर्ट के रूप में नियुक्त किया गया। वे हैमबर्ग में इंस्टिट्यूट फॉर आर्ट्स एंड मीडिया मैनेजमेंट में लेक्चरर हैं।

*देश: जर्मनी*

### डेनियर अमानलीफ

डेनियर क्रमिक रचनात्मक उद्यमी और रचनात्मक अर्थव्यवस्था उत्साही हैं। वे ओलोलो रचनात्मक हब, जॉन गाल्ट बिजनस एक्सीलरेटर और ओलोलो क्रिएटिव इम्पैक्ट फंड के सह-संस्थापक, और व्यवसाय संचालक हैं। डेनियर क्रिएटिव सेंट्रल एशिया फ़ोरम की संचालन समिति के सदस्य हैं, क्रिएटिव सेंट्रल एशिया नेटवर्क के सह-संस्थापक, किर्गिस्तान के क्रिएटिव इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के सह-संस्थापक और अध्यक्ष हैं।

*देश: किर्गिस्तान*

### डायना मार्सेला रे वैस्क्यूज़

डायना राजनीति शास्त्री हैं। उन्होंने लातिन अमेरिकी शास्त्र में पीएचडी की है। वह रचनात्मक अर्थव्यवस्था और डिजिटल अर्थव्यवस्था की एक्सपर्ट हैं और यूनेस्को ड्राफ्ट ग्लोबल स्टैंडर्ड फॉर कल्चरल सैटेलाइट अकाउंट्स की सह-लेखिका हैं। उन्होंने इंटर-अमेरिका डेवलपमेंट बैंक, यूएन वीमन, यूनेस्को, सीएबी, और सीईआरएलएएलसी जैसी अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के लिए काम करने वाले कई लातिन अमेरिकी देशों में सांस्कृतिक सांख्यिकी, नीतियों, और विधान के विकास में योगदान किया है।

*देश: एंडियन और मध्य अमेरिकी देश।*

### द्विनिता लारासाती

तीता उत्पाद डिजाइनर, इंस्टिट्यूट टेक्नोलॉजी बैंडंग (आईटीबी) में लेक्चरर/रिसर्चर, बैंडंग सिटी ऑफ डिजाइन यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क के लिए फोकल पॉइंट, और इंडोनेशिया क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क (आईसीसीएन) की डेप्यूटी ऑफ स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप हैं। वह बैंडंग क्रिएटिव सिटी फोरम (बीसीसीएफ) और बैंडंग क्रिएटिव इकोनोमी कमिटी की अध्यक्षा, पश्चिम जावा की क्रिएटिव इकोनोमी एंड इनोवेशन कमिटी (केआरईएएसआई) की सलाहकार, द इंडोनेशियन यंग अकैडमी ऑफ साइंस (एएलएमआई) और द इंडोनेशियन अकैडमी ऑफ साइंसेज (एआईपीआई) की सदस्या, और इंडोनेशिया की द क्लाइमेट रियलिटी प्रोजेक्ट (टीसीआरपी) की क्लाइमेट लीडर हैं। वह ग्राफिक डायरी तैयार करती हैं, और उन्होंने सीएबी नामक स्वतंत्र प्रकाशनकर्ता की सह-स्थापना भी की है।

*देश: इंडोनेशिया*

**एडना डोस सैंटोस-ड्यूसेनबर्ग**

एडना अर्थशास्त्री हैं जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र में अंतर्राष्ट्रीय करियर बनाया है। उन्होंने यूनाइटेड नेशंस कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड एंड डेवलपमेंट (2004-2012) में क्रिएटिव इकोनोमी प्रोग्राम की स्थापना की और उसकी मुखिया थीं। उन्होंने यूएन क्रिएटिव इकोनोमी रिपोर्ट्स 2008 और 2010 के साथ-साथ यूएनसीटीएडी के ग्लोबल डेटाबेस ऑन क्रिएटिव इकोनोमी की शुरूआत की। वह सरकारों और संस्थानों को सलाहकारी सेवाएं प्रदान करती हैं और सभी महाद्वीपों में शिक्षाविदों के साथ मिलकर काम करती हैं।

*देश: ब्राज़ील और स्विट्ज़रलैंड*

**जॉर्ज गचारा**

जॉर्ज सामाजिक उद्यमी, कला प्रबंधक, और एचईवीए फंड एलएलपी में प्रबंध पार्टनर हैं। जॉर्ज, पूर्वी अफ्रीका में रचनात्मक उद्योगों के विकास और व्यवसाय अन्वेषण का नेतृत्व कर रहे हैं और इस गतिशील क्षेत्र में दीर्घकालिक आर्थिक और सांस्कृतिक मूल्य निर्माण कार्य में अपना नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं।

*देश: केन्या, रवांडा, युगांडा, तंज़ानिया, इथियोपिया*

**जयराज मशरू**

जय, भारत के मुंबई में स्थित, Salesforce.com में डिजिटल रणनीति और डिजाइन टीम के साथ नवाचार निदेशक के रूप में काम करते हैं। अपने रचनात्मक कार्यों के फलस्वरूप ही वे मेंटर स्टार्टअप्स को डिजाइन, नवाचार, और उद्यमीट सिखाने, और शिक्षा, स्थिरता, और रचनात्मक अर्थव्यवस्था के लिए भारत, यूएस और यूके में व्यवसायों और सार्वजनिक नीति निर्माताओं को साक्ष्य आधारित वृद्धि संबंधी रणनीतियाँ प्रदान करने में सफल हुए हैं।

*देश: भारत*

**जॉन न्यूबीगिन**

जॉन, रचनात्मक उद्योगों के लिए लंदन के एम्बेसडर के मेयर और रचनात्मक उद्योग नीति एवं साक्ष्य केंद्र के अंतर्राष्ट्रीय परिषद के अध्यक्ष हैं।

*देश: यूके*

**लॉरा कॉलानन**

लॉरा, अपस्टार्ट को-लैब की संस्थापक साझेदार हैं। अपस्टार्ट को-लैब रचनात्मक अर्थव्यवस्था को प्रभाव निवेश से जोड़कर रचनात्मकता को वित्त पोषित करने में बाधा डाल रहा है। 2015 में अपस्टार्ट को-लैब का शुभारंभ करने से पहले, लॉरा, नेशनल एंडोमेन्ट फॉर द आर्ट्स नामक फेडरल एजेंसी की वरिष्ठ उपाध्यक्षा; मैककिंसे एंड कंपनी की सोशल सेक्टर ऑफिस के साथ परामर्शदाता; और रॉकफेलर फाउंडेशन में सहायक निदेशिका थीं।

*देश: यूनाइटेड स्टेट्स*

**लिएंड्रो वैलियाटी**

लिएंड्रो ने ब्राज़ील में प्रोफेसर के रूप में अपने करियर की शुरूआत की और अब वे क्रिएटिव इंडस्ट्रीज एंड इकोनोमी ऑफ कल्चर में पॉलिसी एडवाइजर के रूप में काम किया, सीसीआई में अधिकांश प्रतिनिधित्वमूलक नीति उन्मुख शिक्षा केंद्र का निर्माण और नेतृत्व कर रहे हैं। बीते वर्षों में, वे शैक्षिक पदों पर और स्पेन, फ्रांस और यूके में नीति संस्थानों में बोर्ड सदस्य के रूप में काम करते रहे हैं। वे संस्कृति और सामाजिक आर्थिक विकास, सांस्कृतिक नीति और कला के बहु आयामी प्रभाव पर अनुसंधान करने की दिलचस्पी रखते हैं।

*देश: ब्राजील, फ्रांस और यूके*

**मारसेल क्रौस**

मारसेल, चार्ल्स यूनिवर्सिटी में समाज शास्त्र, मानवता और कला और अंतरविषयक नवाचार की नवाचार संबंधी क्षमता को बढ़ावा देते हैं। कला और नाट्य में काम करना बंद करने के बाद, मारसेल ने जर्मनी के लेपजीग में फ्रॉनहॉफर इंस्टिट्यूट के लिए और चेक गणराज्य की टेक्नोलॉजी एजेंसी के लिए अभिनव ट्रांसफर प्रणालियों और रचनात्मक अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में काम किया।

*देश: चेक गणराज्य*

**उमर नगाती**

उमर, प्रैक्टिसिंग आर्किटेक्ट और अर्बन प्लानर हैं, क्लस्टर के सह-संस्थापक, अर्बन डिजाइन और रिसर्च प्लेटफॉर्म डाउनटाउन कायरो, और कई स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में शिक्षाविशारद हैं, सबसे हाल ही में यूके स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ शेफील्ड में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में काम कर रहे हैं।

*देश: मिस्र*

## पीईसी और ब्रिटिश काउंसिल के प्रतिनिधि

### ब्रिटिश काउंसिल

#### कैरोलीन मेबी

कैरोलीन मेबी, ब्रिटिश काउंसिल की आर्ट्स नेटवर्क निदेशिका हैं, उन पर कला और रचनात्मक उद्योगों में वैश्विक कार्य पोर्टफोलियो की देखरेख करने और संगठन के वैश्विक रचनात्मक अर्थव्यवस्था कार्यक्रम को आकार देने की जिम्मेदारी है। 2013 में ब्रिटिश काउंसिल से जुड़ने से पहले, कैरोलीन, टेलीविज़न उद्योग में काम करती थीं। वह, लंदन की स्टूडियो 3 आर्ट्स की ट्रस्टी भी हैं।

#### स्किंडर हुंडल एमबीई

स्किंडर, ब्रिटिश काउंसिल के कला निदेशक हैं और वे यूके और दुनिया के चार देशों में कई कला रूपों और प्रमुख कला गतिविधि की देखरेख करते हैं। वे आर्टिस्ट न्यूज़ के बोर्ड निर्देशक भी हैं और वे पहले न्यू आर्ट एक्सचेंज के निदेशक और नॉटिंघम आर्ट्स मेल के सह-कलात्मक निदेशक के रूप में भी काम कर चुके हैं। वे हाल ही में टॉम डेल डांस कंपनी के बोर्ड सदस्य के रूप में सेवानिवृत्त हुए हैं।

### पीईसी

#### एलिज़ा ईस्टन

एलिज़ा, इनोवेशन फाउंडेशन नेस्टा के नेतृत्व वाले, रचनात्मक उद्योग नीति एवं साक्ष्य केंद्र (पीईसी) की नीति इकाई की प्रमुख हैं। वह कैम्ब्रिज पॉलिसी फ़ेलो हैं।

#### हसन बख्शी

हसन, यूके स्थित रचनात्मक उद्योग नीति एवं साक्ष्य केंद्र के निदेशक हैं। वे दरबार आर्ट्स और आर्ट यूके के बोर्ड में शामिल हैं और वे यूके सरकार की रचनात्मक उद्योग परिषद के संस्थापक सदस्य हैं।

ब्रिटिश काउंसिल

@BritishCouncil
www.britishcouncil.org

यूनाइटेड किंगडम का अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक संबंध एवं शैक्षिक अवसर संगठन।
पंजीकृत चैरिटी: 209131 (इंग्लैंड और वेल्स) SC037733 (स्कॉटलैंड)।

# रचनात्मक उद्योग नीति एवं साक्ष्य केंद्र

**नेस्टा** के नेतृत्व में

रचनात्मक उद्योग नीति और साक्ष्य केंद्र (पीईसी)
58 विक्टोरिया तटबंध
लंदन ईसी4Y 0DS

+44 (0)20 7438 2500
enquiries@pec.ac.uk
@CreativePEC
www.pec.ac.uk

रचनात्मक उद्योग नीति एवं साक्ष्य केंद्र, नेस्टा के नेतृत्व में काम करता है।
नेस्टा, इंग्लैंड और वेल्स में पंजीकृत चैरिटी है जिसका कंपनी नंबर 7706036 और चैरिटी नंबर1144091 है।
स्कॉटलैंड में चैरिटी के रूप में SCO42833 नंबर से पंजीकृत है। पंजीकृत कार्यालय: 58 विक्टोरिया तटबंध, लंदन, ईसी4Y 0DS.

CC BY NC SA